किसान उत्पादक संगठन (F.P.O.)

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम
NCDC
Assisting Cooperatives. Always!
सहकारिताओं की सहायता में सदैव तत्पर!

International Year of Cooperatives
2025
Cooperatives Build a Better World

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि.
उ0 प्र0 सहकारी समिति लि0
पंजी0 सं0 :–138
ग्राम-भदस्याना, गढमुक्तेश्वर, हापुड़ (उ0प्र0)

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

खसरा नं.–832, ग्राम भदस्याना, गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ –245208 (उ0 प्र0)

तकनीकी सहयोग :– कृषि विभाग, हापुड़
कृषि विज्ञान केन्द्र, हापुड़
सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ (उ0 प्र0)

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ के गठन के मूल उददेश्य

उददेश्य संख्याः –01

हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के गंगा किनारे गाँवो में किसानों को रसायन मुक्त खेती सिखाना ।

उददेश्य संख्याः –02

रसायनिक खेती से बढ़ने वाली किसानों की लागत में कमी लाकर किसानों की आय बढ़ाना ।

उददेश्य संख्याः –03

गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए पर्यावरण संरक्षण करना, जैसे :– मृदा स्वास्थ्य बढ़ाना, जल दोहन को कम करना, रसायनों के प्रभाव से किसानों को बचाना, वृक्षारोपण आदि ।

उददेश्य संख्याः –04

किसानों को खाद्य प्रसंस्करण की ओर अग्रसर करना और मण्डी में बिचोलिए आदि से किसानों का शोषण होने से बचाना एवं किसानों को स्वरोजगार के अवसर देना ।

उददेश्य संख्याः –05

दिल्ली NCR के उपभोक्ताओं को सीधे किसानों से सम्पर्क में लाना ताकि किसानों को उनकी फसल का उचित और अधिकतम मूल्य मिल सके ।

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उददेश्य संख्याः –01

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती सिखाना के लिए किए गए प्रयास

1. FPO द्वारा किसानों को रसायन मुक्त खेती सिखाना के लिए समय समय पर कार्यशाला आयोजित की गई है, कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के वैज्ञानिकों को आमंत्रित करते हुए किसानों की जैविक खेती और प्राकृतिक खेती पर प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन एवं फील्ड विजिट कराई जाती है ।













आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा दिनांक 5.1.2023 को गढ़मुक्तेश्वर में पास श्री नितीश तोमर जी के जैविक कृषि केन्द्र पर किसानों के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण आयोजित किया गया ।
लगभग 200 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया ।
इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम् श्री भारत भूषण त्यागी जी थे ।
कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।







आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा दिनांक 18.1.23 को गढ़मुक्तेश्वर के नानई गांव बारात घर में किसानों के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण आयोजित किया गया ।

लगभग 250 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी श्री मनोज कुमार जी और सहायक आयुक्त सहकारिता हापुड़ श्री विकास मेहरा जी रहे। कृषि विभाग के अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।





आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा दिनांक 11.3.24 को FPO के कार्यालय भदस्याना, गढ़मुक्तेश्वर में किसानों के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण आयोजित किया गया ।
लगभग 350 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया ।
कृषि विभाग के अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।





आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा दिनांक 29.8.24 को कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ में किसानों के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
लगभग 250 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
कृषि विभाग के अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।





आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

2. सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा आयोजित किसान मेलों में और प्रदर्शनी में FPO द्वारा किसानों का समय समय पर प्रतिभाग सुनिश्चित किया गया है जिससे गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के किसानों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान औरे कृषि क्षेत्र में नवाचार की जानकारी मिली है।





आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा दिनांक 16.10.24 से 18.10.24 को **FPO** के लगभग 750 किसानों को सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ मे आयोजित किसान मेले में प्रतिभाग कराया गया। किसानों के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी मेले में उपस्थित रहे और किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया । इस मेले में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक रूप से बासमती धान का उत्पादन करने के लिए बासमती निर्यात संस्थान मेरठ के श्री रितेश शर्मा जी द्वारा हमारे FPO के किसानों को प्रशिक्षण दिया गया ।





आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

3. कृषि विभाग हापुड़ द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती कार्यक्रमों में **FPO** के किसानों की सहभागिता **FPO** द्वारा कई अवसरों पर सुनिश्चित की गई है ।



विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 5.12.2024 को हापुड़ के भदस्याना गांव में जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर काम कर रहे आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ के जैविक फार्म पर नमामि गंगे योजनांतर्गत कृषि विभाग हापुड़ द्वारा जैविक मेला आयोजित किया गया ।

किसानों और उपभोक्ताओं को आरंभशील किसान उत्पादक संगठन के जैविक एवं प्राकृतिक मॉडल फार्म का भ्रमण कराया गया और किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया ।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी जी के द्वारा आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ के माध्यम से जैविक एवं प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया और पिछड़े वर्ग के किसान भाईयों को मुफ्त गेहूं का बीज दिया गया। कार्यक्रम में उपकृषि निर्देशक हापुड़, जिला कृषि अधिकारी हापुड़, कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के प्रबंधक एवं वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 400 से अधिक किसानों ने भाग लिया और जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण लिया।

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

कृषि विभाग हापुड़ द्वारा नमामि गंगे योजनांतर्गत जैविक खेती कार्यक्रम से जुड़े 756 किसानों को **FPO** का सदस्य बनाया गया है जिन्हें रसायन मुक्त खेती करने में आने वाली समस्याओं के लिए **FPO** द्वारा आवश्यक सहायता जैसे जैविक खाद तैयार करना और कीट नियंत्रण करना आदि की सहायता दी जाती है ।











आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उददेश्य संख्याः –02

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा किसानों की खेती की लागत को कम करने के लिए किए गए प्रयास।

1. रसायनिक खाद जैसे **D.A.P. UREA** आदि के इस्तेमाल से दिन प्रतिदिन किसानों की लागत बढ़ रही है, अत: **FPO** द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती और फसल अवशेष प्रबन्धन के माध्यम से खेती की लागत कम करने के लिए खाद प्रबंधन जैसे गोबर, गोमूत्र से जीवामृत तैयार कराना, फसल अवशेष को खेतों पर डिकंपोजर के इस्तेमाल से खाद में बदलना जैसे कार्यक्रमों से जोड़ा गया है जिससे किसानों की लागत में कमी आने लगी है ।

2. रसायनिक खेती में रसायनिक किट नाशको के इस्तेमाल से किसानों की लागत में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी होती है, इस संदर्भ में **FPO** द्वारा किसानों को प्राकृतिक किट नियंत्रण के लिए **Pest Trap** दिए जाते हैं, साथ में किसानों को प्राकृतिक कीट नियंत्रक घर पर ही बनाना सिखाया जाता है, नीम, गोमूत्र, लस्सी आदि जैसे विकल्पों का कीट प्रबंधन में किसानों को इस्तेमाल कराया जाता है ।



आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

रासायनिक खेती की लागत प्रति एकड़ फसल, क्षेत्र और खेती के तरीकों पर निर्भर करती है ।

प्रमुख फसलों की लागत का विवरण :–

1. चावल या गेहूं (मुख्य फसलें)

उर्वरक (यूरिया, डीएपी, पोटाश)	:	2,500– 4,000
कीटनाशक और शाकनाशी	:	1,500– 2,500
बीज	:	1,000– 2,000
सिंचाई (बिजली, डीजल की लागत)	:	1,500– 3,000
मजदूरी (रोपाई, निराई, कटाई)	:	4,000– 6,000
मशीनरी (जुताई, कटाई)	:	1,000– 2,000
कुल लागत (अनुमानित)	:	12,000– 18,000

प्रति एकड़

2. नकदी फसलें (गन्ना, कपास)

उर्वरक	:	3,000– 5,000
कीटनाशक	:	2,000– 4,000
बीज	:	2,500– 4,000
सिंचाई	:	3,000– 5,000
मजदूरी	:	8,000– 12,000
मशीनरी	:	2,000– 4,000
कुल लागत (अनुमानित)	:	20,000– 30,000

प्रति एकड़

3. सब्जियां

उर्वरक	:	2,000 – 3,500
कीटनाशक	:	1,500– 3,000
बीज	:	3,000– 5,000
सिंचाई	:	2,500– 4,000
मजदूरी	:	6,000– 10,000
मशीनरी	:	1,000– 2,000
कुल लागत (अनुमानित)	:	15,000– 25,000

प्रति एकड़

प्रमुख फसलों की जैविक खेती में लागत का सामान्य विवरण दिया गया है:

1. चावल या गेहूं (मुख्य फसलें)

उर्वरक गोबर / वर्मी कम्पोस्ट	:	1000– 1500
कीटरोधी	:	500– 1000
बीज	:	1,000– 2,000
सिंचाई (बिजली,डीजल की लागत)	:	500– 1000
मजदूरी (रोपाई, निराई, कटाई)	:	4,000– 6,000
मशीनरी (जुताई, कटाई)	:	1,000– 2,000
कुल लागत (अनुमानित)	:	8,000– 13,500

प्रति एकड़

2. नकदी फसलें (गन्ना, कपास)

उर्वरक	:	1,500– 2,500
कीटरोधी	:	1,000– 2,000
बीज	:	2,500– 4,000
सिंचाई	:	1,500– 3,000
मजदूरी	:	8,000– 12,000
मशीनरी	:	2,000– 4,000
कुल लागत (अनुमानित)	:	16,500– 27,500

प्रति एकड़

3. सब्जियां

उर्वरक	:	1,000– 1,500
कीटरोधी	:	1,000– 2,000
बीज	:	3,000– 5,000
सिंचाई	:	1,500– 2,000
मजदूरी	:	6,000– 10,000
मशीनरी	:	1,000– 2,000
कुल लागत (अनुमानित)	:	13,500– 22,500

प्रति एकड़

प्राकृतिक खेती में रसायनिक या जैविक उर्वरक एवं कीटनाशक की आवश्यकता नहीं होती है और प्राकृतिक खेती करने से सिंचाई की भी कम आवश्यकता होती है ।

उर्वरक – जीवामृत

2 किलो गुड़ 100 1 किलो बेसन 100

इसके अलावा गोबर एवं गोमूत्र किसान भाईयों द्वारा पशुओं से लेकर केवल 200 से 500 में एक एकड़ के लिए उर्वरक के रूप में तैयार किया जाता है ।

कीटरोधी के लिए नीम का तेल, दशपरनी अर्क जैसे तरल पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है

जिनकी लागत 1000 से 2000 प्रति एकड़ तक आती है ।

निश्कर्श –

रसायनिक खेती के मुकाबले जैविक खेती करने से **FPO** के किसानों द्वारा सालाना 9,000 – 9,500 प्रति एकड़ की बचत की गई ।

रसायनिक खेती के मुकाबले प्राकृतिक खेती करने से **FPO** के किसानों द्वारा सालाना 12,500 – 21,000 प्रति एकड़ की बचत की गई ।

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उददेश्य संख्याः –03

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास

1. जैविक खेती और प्राकृतिक खेती से किसानों को जोड़ने से क्षेत्र के किसानों के खेतों की मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा हो रहा है, रसायनिक खेती के दुष्प्रभावों से मिट्टी के सुक्ष्म तत्व खत्म होने लगते हैं लेकिन प्राकृतिक खेती और जैविक खेती से मिट्टी के सुक्ष्म तत्व पुनः बढ़ने लगते हैं, मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए जीवांश कार्बन सबसे महत्वपूर्ण है, **FPO** से जुड़कर किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती और जैविक खेती की जा रही है जिससे क्षेत्र की मिट्टी में जीवांश कार्बन बढ़ने लगा है ।

2. रसायनों के प्रभाव के कारण रसायनिक खेती में सिंचाई अधिक करनी पड़ती है लेकिन जैविक खेती और प्राकृतिक खेती में सिंचाई के लिए जल की कम आवश्यकता रहती है, अतः **FPO** द्वारा अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती और प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है जिससे भूजल का दोहन कम किया जा रहा है ।

3. क्षेत्र में जैवविविधता को बढ़ाने के लिए **FPO** द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किए जाते हैं जिसमें उद्यान विभाग हापुड़ के सहयोग से **FPO** के किसानों के खेतों में फलदार पौधा को लगवाया जाता है, किसानों को बागवानी के लिए **FPO** द्वारा आवश्यक सहायता दी जाती है ।



आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उददेश्य संख्याः –04

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा खाद्य प्रसंस्करण

FPO का महत्वपूर्ण उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण की ओर किसानों को प्रोत्साहित करना है, FPO द्वारा किसानों को खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ गया है, FPO से जुड़े किसानों ने क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण के विभिन्न कार्य शुरू किए गये हैं, जैसे :– सरसों के तेल का एक्सपेलर, आटा चक्की, अचार सेन्टर,बर्मी कंपोस्ट यूनिट,गुड एवं खांडसारी यूनिट,दूध कलेक्शन सेंटर आदि। द्वारा इन सभी किसानों के उत्पादों को प्रसंस्करण के बाद FPO के ब्रांड नाम से पैकेजिंग करके सीधे उपभोक्ताओं को बेचा जाता है और किसानों को उसका लाभांश दिया जाता है ।







आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा उद्यान की फसलों जैसे फल एवं सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए **15 MT** का एक कोल्ड स्टोरेज, डिहाइड्रेशन यूनिट की स्थापना की गई है, यह मेरठ मंडल का पहला प्रोजेक्ट है जो बायोमास द्वारा संचालित है, इस यूनिट में फसल अवशेष जैसे पराली, गोबर के कंडे, सूखी लकड़ी के इस्तेमाल से फल एवं सब्जियों को स्टोर किया जा सकता है और फल सब्जियों को सुखाकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाएं जा रहे हैं । इसका उद्घाटन माननीय कुलपति सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ डॉ. के.के. सिंह जी द्वारा किया गया है।









आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उददेश्य संख्याः –05

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा उपभोक्ताओं और किसानों को जोड़ने के लिए किए गए प्रयास

उपभोक्ताओं और किसानों को जोड़ने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा किया जा रहा है, इस संदर्भ में **FPO** ने एक मॉडल फार्म पिछले 3 सालों के प्रयास से विकसित किया है जिसमें पूर्ण रूप से रसायन मुक्त खेती होती है, इस मॉडल फार्म पर समय समय पर **Delhi NCR** के उपभोक्ताओं को विभिन्न कार्यक्रमों में जैसे आम महोत्सव, शहद महोत्सव में आमंत्रित किया जाता है और उपभोक्ताओं को दिखाया और समझाया जाता है की किस प्रकार हमारे क्षेत्र के किसान रसायन मुक्त खेती कर रहे हैं, साथ ही किसानों को उपभोक्ताओं से भी मिलवाया जाता है। **FPO** के इस मॉडल फार्म पर एग्रो टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है ।











आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

FPO द्वारा तैयार किए गए किसानों के उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए **FPO** पिछले 2 वर्षों से Delhi NCR में आयोजित होने वाले सभी उपभोक्ता मेलों में उपस्थित रहा है, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित **UP International Trade Show, Noida** में और भारत सरकार द्वारा आयोजित **International Trade Fair, Delhi** में किसानों और उपभोक्ताओं को जोड़ने का कार्य **FPO** द्वारा 2 वर्षों से किया जा रहा है ।











आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

FPO से जुड़े किसानों के उत्पादों को ऑनलाइन माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का FPO द्वारा प्रयास रहा है, इसी संदर्भ में FPO की संपूर्ण जानकारी के साथ ऑनलाइन ऑडर करने के लिए FPO द्वारा अपनी वेबसाइट www.aarambhsheelfpo.com भी बनाई गई है ।



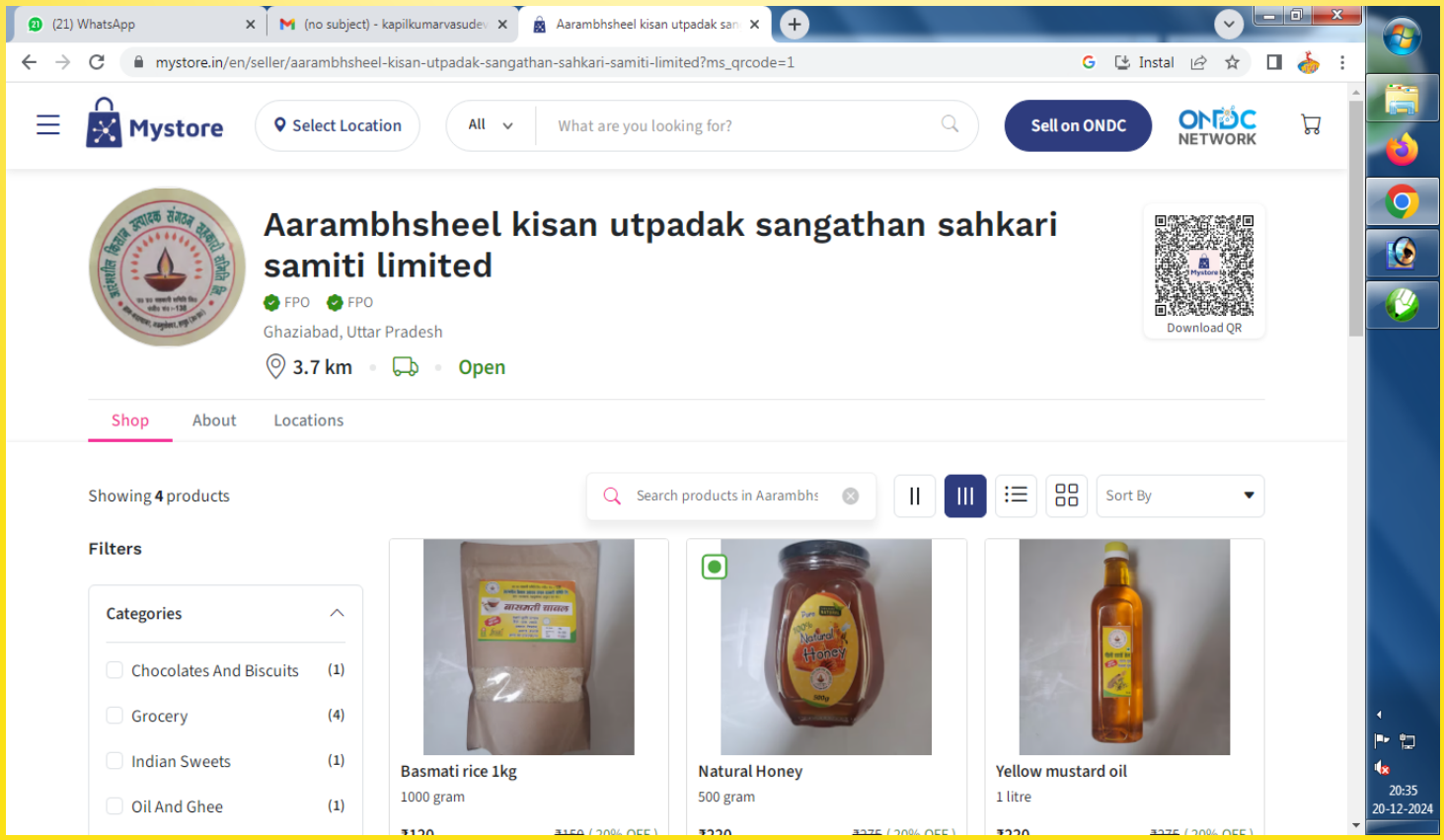

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण महिलाओं को रोजगार

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए निर्देशक मंडल में 10 में से 3 महिलाओं को निर्देशक के तौर पर सम्मिलित किया गया है।

महिला निर्देशक श्रीमती मीनू त्यागी द्वारा महिलाओं को FPO के उत्पादों की Packaging का कार्य सिखाया जाता है और श्री अन्न के विभिन्न उत्पाद जैसे श्री अन्न के बिस्कुट और लड्डू आदि तैयार करना सिखाया जाता है।













महिला निर्देशक श्रीमती पुष्पा द्वारा ग्रामीण महिलाओं को जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है और महिलाओं को FPO में सम्मिलित करते हुए फसल प्रबंधन का कार्य करवाया जाता है।







आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा 155 महिलाओं को FPO का सदस्य बनाया गया है और उन सभी को जैविक एवं प्राकृतिक खेती कार्यक्रम में जोड़ा गया है ।

किसान उत्पादक संगठन **(F.P.O.)**

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि.

एफपीओ के अन्य कार्यक्रम / Other Activities of Our F.P.O.







वृक्षारोपण / Tree Plantation









आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ की उपलब्धियां

1. आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा अभी तक 756 किसानों को प्रमाणीकरण के साथ जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा चुका है और किसानों के उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाते हुए 400 से अधिक उपभोक्ता परिवारों को FPO से जोड़ा जा चुका है ।





2. आरंभशील किसान उत्पादक संगठन द्वारा हापुड़ क्षेत्र में एक मॉडल फार्म विकसित किया जा चुका है जो पूर्ण रूप से रसायन मुक्त है, इस मॉडल फार्म को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया है ।









आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

3. आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा उद्यान की फसलों जैसे फल एवं सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए **15 MT** का एक कोल्ड स्टोरेज, डिहाइड्रेशन यूनिट की स्थापना की गई है, यह मेरठ मंडल पहला प्रोजेक्ट है जो बायोमास द्वारा संचालित है, इस यूनिट में फसल अवशेष जैसे पराली, गोबर के कंडे, सूखी लकड़ी के इस्तेमाल से फल एवं सब्जियों को स्टोर किया जा सकता है और फल सब्जियों को सुखाकर उनके विभिन्न उत्पाद बनाएं जा रहे हैं ।

मंडल में पहला बायोमास कोल्ड रूम तैयार, आज से करेगा काम

ध्रुव शर्मा ● जागरण

हापुड़ : मेरठ मंडल में पहली बार बायोमास से संचालित कोल्ड रूम का संचालन आज हापुड़ में शुरू हो जाएगा। इस कोल्ड रूम में खेतों से पैदा किए गए उत्पादों को करीब 25 दिनों तक तरोताजा रखा जा सकेगा। इस कोल्ड रूम के संचालित होने से किसानों के उत्पादित फल एवं सब्जी के खराब होने का खतरा समाप्त हो जाएगा।

किसानों की आय बढ़ाने एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में गढ़ के गांव भदस्याना में जैविक खेती करने वाले किसान हर्ष त्यागी एवं उनके एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन) से जुड़े 756 किसानों के लिए कोल्ड रूम वरदान साबित होने जा रहा है। हर्ष त्यागी ने बताया कि एफपीओ से जुड़े किसान अपने उत्पाद पैदा करके खुद प्रोसेस करके बाजार में बेचते हैं। ऐसे में कई बार सब्जी व फलों के खराब होने से किसानों को नुकसान हो जाता था। अब इस कोल्ड रूम के संचालित होने से किसानों की फसलों के खराब होने का खतरा समाप्त हो जाएगा।



गढ़ के गांव भदस्याना में तैयार बायोमास से संचालित प्लांट ●



गढ़ के गांव भदस्याना में तैयार कोल्ड रूम ● सौ किसान

बायोमास से होगा संचालित : किसान हर्ष त्यागी ने बताया कि यह मेरठ मंडल में पहला बायोमास से संचालित कोल्ड रूम है। 16 लाख से तैयार हुआ यह कोल्ड रूम बायोमास (ऊपले, लकड़ी, पराली) से संचालित किया जाएगा। इसको डिहाइड्रेशन के लिए 24 घंटे में 25 से 30 किलो ऊपले, जबकि कूलिंग करने के लिए 50 किलो ऊपले, पराली अथवा लकड़ी की जरूरत होगी। ऐसे में आने वाले समय में पराली खरीद की भी संभावना बढ़ जाएगी।

15 टन है क्षमता : उन्होंने बताया कि इस कोल्ड रूम की भंडारण क्षमता 15 टन है, इसमें 25 दिनों तक फल एवं सब्जी को तरोताजा रखा जा सकता है। कई बार बाजार में मंदी होने पर नुकसान हो जाता है।

यह है स्थिति

- 16 लाख रुपये से तैयार हुआ है कोल्ड रूम
- 756 किसानों को मिलेगा लाभ
- 25 दिनों तक तरोताजा रख सकते है फल व सब्जी
- 15 टन है भंडारण क्षमता

यह कोल्ड रूम किसानों के लिए वरदान साबित होगा।इसका संचालन शुरू होने के बाद किसानों के उत्पाद को कई दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। - **डाक्टर हरित कुमार**, जिला उद्यान अधिकारी हापुड़

****







हापुड़

www.jagran.com

जैविक खेती को नया उत्कर्ष प्रदान कर रहे हर्षवर्धन

तंत्र के गण

ध्रुव शर्मा • हापुड़

परंपरागत तरीके से हटाकर किसानों को हर्ष त्यागी ने कम लागत और ज्यादा लाभ वाली अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ लिया। छोटे-छोटे



हर्षवर्धन त्यागी, किसान •

किसानों का एफपीओ बनाकर उन्होंने खेती को कंपनी की तरह करना सिखाया। आय बढ़नी शुरू हुई तो उनके साथ एक-एक कर सैकड़ों किसान जुड़ते चले गए। उनके इस प्रयास के बाद जैविक खेती करने वाले किसानों को एक नई दिशा मिल गई है। अच्छे दाम मिलने के कारण एक वर्ष में ही किसानों की संख्या दस गुना तक बढ़ गई है।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। इसी का परिणाम है कि जिले में पिछले एक वर्ष में जैविक खेती का रकबा सौ हेक्टेयर से बढ़कर 350 हेक्टेयर को पार कर चुका है। 3500 से अधिक किसान अब जैविक खेती से जुड़ गए है। पहले यह किसान स्वयं अपनी फसलों के उत्पाद बेचने के लिए दूसरे शहरों का रुख करते थे, जिससे उनको खर्चा अधिक आने के कारण बचत कम हो पाती थी। लेकिन सरकार ने एफपीओ (फार्मर प्रोडक्शन आर्गनाइजेशन) किसान उत्पादक संगठन, से जोड़ कर किसानों को उनकी फसल का उचित दाम दिलाने का प्रयास किया है, जिसके परिणाम चौंकाने वाले आए हैं। एफपीओ के माध्यम से किसान अपनी फसलों के उत्पाद को प्रोसेस कर उनकी पैकिंग करने के बाद बाजार में बेच रहे है, जहां उनको उर्वरक से उत्पन्न फसलों के मुकाबले 20 से 30 प्रतिशत अधिक दाम मिल रहे है।

कोल्ड रूम तैयार : अभी तक फसलों को सुरक्षित रखने में किसानों को दिक्कत आती थी, मगर अब सब्जियों एवं अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गढ़ क्षेत्र में (एनसीडीसी) राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम योजना के तहत करीब 20 लाख रुपये की लागत से कोल्ड रूम बनकर तैयार हो गया है जो बायोमास से संचालित होगा तथा इसके अंदर डिहाइड्रेशन प्रोसेस करने की पूर्ण व्यवस्था होगी। इसमें रखे ताजा उत्पाद 30 दिनों तक तरोताजा रहेंगे।

इस तरह कार्य करता है एफपीओ : एफपीओ के अध्यक्ष हर्षवर्धन त्यागी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा पूरे देश में दस हजार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने का लक्ष्य रखा गया था। भारत सरकार के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने इसमें विशेष रुचि लेते हुए उद्यान, कृषि सहित कई विभागों को किसानों के सहयोग के लिए सक्रिय कर दिया। इसमें नमामि गंगे योजना के तहत गंगा किनारे के किसानों को जैविक खेती के लिए विशेष ध्यान दिया। किसी भी एफपीओ में कार्य करने वाले किसानों को सदस्य बनाकर सबसे पहले प्रति किसान दो हजार रुपये लेकर शेयर होल्डर बनाया जाता है। एफपीओ एक कंपनी के तौर पर कार्य करती है जिसके सदस्य जैविक खेती करने वाले किसान होते है।



हापुड़ के किसान को सम्मानित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही • सौ किसान

कई मंच पर हो चुके हैं सम्मानित

जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा उत्पादों को प्रोसेस करके बाजार में बेच कर किसानों को अच्छी आय देने के मामले में हर्ष त्यागी को कई मंचों पर सम्मान मिल चुका है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उनको इस अथक प्रयास के लिए सम्मानित किया तो वहीं मेरठ के सरदार पटेल कृषि विवि, उत्तर प्रदेश ट्रेड शो में कृषि विभाग प्रदर्शनी में बेहतर उत्पाद पेश करने एवं एआइएफ द्वारा भी उनको सम्मानित किया गया।

पिछले दो वर्षों की स्थिति

350 थी 2022 में किसानों की संख्या

3,506 थी 2023 में किसानों की संख्या

100 हेक्टेयर था 2022 में जैविक खेती का क्षेत्रफल

350 हेक्टेयर था जैविक खेती का क्षेत्रफल

नमामि गंगे योजना के तहत गढ़ क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जैविक खेती को लेकर सरकार कई तरह की अन्य योजनाएं भी चल रही है। इसके लिए किसानों को हर तरह का सहयोग दिया जा रहा है। जिले में लगातार जैविक खेती का रकबा बढ़ रहा है।

– डाक्टर वीबी द्विवेदी, उप कृषि निदेशक हापुड़

हिन्दुस्तान

हापुड़ का चौसा आम दूसरे स्थान पर रहा

आम मोहत्सव

हापुड़, वरिष्ठ संवाददाता। 3 जुलाई से 6 जुलाई तक अवध शिल्प ग्राम में चले इस महोत्सव में रटौल आम को प्रथम स्थान मिला है। हापुड़ के बहादुरगढ़ से गया चौसा आम दूसरे स्थान पर रहा है।

तीसरा स्थान भी रटौल आम ने हासिल किया। समापन समारोह में प्रदेश के उद्यान मंत्री ने रटौल आम उत्पादकों को सम्मानित कियां और किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

आम उत्पादन, निर्यात व प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने के लिए तीन दिवसीय उप्र आम महोत्सव-2025 का आयोजन चार जुलाई से 6 जुलाई तक किया गया। हापुड़ के12 से अधिक प्रजातियां प्रदर्शित कराने के लिए हापुड़ के 12 से अधिक किसान गए थे।



लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव में चौसा आम के स्वामी किसान हर्षवर्धन त्यागी।

प्राकृतिक आम ने करा दिया हापुड़ का नाम: हापुड़ के भदस्याना निवासी किसान हर्ष वर्धन त्यागी के चौसा आम की जमकर तारीफ की। किसान हर्ष वर्धन त्यागी ने जिले से लखनऊ पहुंचकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। त्यागी ने बताया कि भदस्याना गांव में करीब 200 बीघा आम का बाग करते हैं। उनके दादा की देन है जो वे दिल्ली से आकर गढ़ गंगा क्षेत्र में खेती कर रहे हैं। किसान ने बताया कि डेढ़ हैक्टेयर में उन्होंने नेचुरल-ऑर्गेनिक आम का बाग लगा रखा है। जिसके चौसा आम को देश से आए सभी वैरायटी के आम में पसंद किया गया है।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26

जैविक खेती के लिए हर्ष त्यागी सम्मानित



किसान हर्ष त्यागी को सम्मानित करते मंत्री ● सौ इंटरनेट मीडिया

संस, जागरण ● गढ़मुक्तेश्वर: जिले में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और उत्पादों को प्रोसेस करके किसानों की आय बढ़ाने के लिए भदस्याना के किसान हर्ष त्यागी को केंद्रीय मंत्रियों द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने हर्षवर्धन त्यागी को सम्मानित किया। मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एफपीओ आरंभशील किसान उत्पादक संगठन की सराहना की।

एफपीओ महिला किसानों संग डेरी संचालन शुरू



एफपीओ महिला किसानों के साथ किया डेरी का संचालन शुरू ●

संस, जागरण ● बहादुरगढ़: आरंभशील किसान उत्पादक संगठन द्वारा मोहम्मदपुर रूस्तमपुर गांव में दुध की प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की गई। एफपीओ की महिलाओं द्वारा इस इकाई में खोया, पनीर और देसी घी तैयार किया जाएगा। इन उत्पादों की मार्केटिंग आरंभशील किसान उत्पादक संगठन द्वारा दिल्ली एनसीआर में की जाएगी। ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने की दिशा में आरंभशील किसान उत्पादक संगठन द्वारा यह प्रयास किया गया है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में इस दुग्ध प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता के प्रेम शंकर और कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के प्रभारी डा. अरविन्द कुमार द्वारा किया गया।

हर्षवर्धन त्यागी को लखनऊ में किया सम्मानित



लखनऊ में सम्मानित होते हर्षवर्धन त्यागी। स्रोत : स्वयं

हापुड़। लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव में प्रदेश में दूसरा स्थान पाने वाले हापुड़ के गांव भदस्याना निवासी हर्षवर्धन त्यागी को रविवार को उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने सम्मानित किया। आम की चौसा प्रजाति के उत्पादन पर उन्हें यह सम्मान मिला। महोत्सव में पूरे प्रदेश के अलग-अलग जनपदों से किसान आम महोत्सव का हिस्सा बने हैं। जिले को पहली बार आम महोत्सव में कोई अवार्ड मिला है। हर्षवर्धन ने बताया कि वह वर्ष 2019 से आम की बागवानी कर रहे हैं। उनके यहां से आम दिल्ली-एनसीआर के जिलों के अलावा साउथ के राज्यों में भी आपूर्ति होती है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य मंत्रियों ने स्वयं आकर किसानों का उत्साहवर्धन किया। जिला उद्यान अधिकारी डॉ.हरित, उद्यान निरीक्षक सतीश कुमार ने भी उन्हें बधाई दी। संवाद

गढ़मुक्तेश्वर की तोरई का विदेश में चखा जाएगा स्वाद, तैयारियां शुरू

ध्रुव शर्मा ● जागरण

- शासन ने गढ़मुक्तेश्वर को तोरई उत्पादन के लिए विशेष चयन
- वैज्ञानिकों की देखरेख में होगा उत्पादन, एमओयू पर हस्ताक्षर



गोष्ठी के दौरान एमओयू सौंपते एक्सपोर्टर एवं मौजूद किसान एवं अधिकारी ●

गढ़मुक्तेश्वर: शासन ने गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र को सब्जी विशेष कर तोरई की फसल उत्पादन के लिए चुना है। यहां की तोरई को अब वैज्ञानिकों की देखरेख में उत्पादित किया जाएगा। साथ ही विदेश की मांग के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इसके लिए एक एफपीओ और एक्सपोर्टर ने बृहस्पतिवार को शंकराटीला गांव में आयोजित एक गोष्ठी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए है। हापुड़ विदेश में अधिक से अधिक उत्पादन बेचने के मामले में लगातार बढ़ोतरी करता जा हरा है। हरी मिर्च, गाजर को एक्सपोर्ट करने के बाद अब कृषि विभाग ने एफपीओ आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लिमिटेड के माध्यम से 50 हेक्टेयर में वैज्ञानिकों की देखरेख में धान तैयार कराए हैं। इसी कड़ी में एक कदम और आगे बढ़ते हुए शासन ने उद्यान विभाग के माध्यम से गढ़मुक्तेश्वर को सब्जी उत्पादन विशेषकर तोरई के लिए चयन किया है। यहां तोरई को विदेश भेजने के लिए विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को शंकराटीला गांव में जिला उद्यान विभाग द्वारा किसान एक्सपोर्टर सलीम अहमद, एफपीओ के अध्यक्ष हर्ष त्यागी और वैज्ञानिकों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. अरविंद कुमार द्वारा तोरई की बोआई से लेकर बीमारियों से बचाव के तरीके के बारे में बताया। इस दौरान सीनियर मार्केटिंग इंस्पेक्टर आशा देवी ने किसानों को सरकार द्वारा संचालित योजना के तहत होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी।

अगले वर्ष से शुरू होगी सप्लाई: इस गोष्ठी में आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लिमिटेड एफपीओ के अध्यक्ष हर्ष त्यागी एवं एक्सपोर्टर सलीम अहमद के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। हर्ष त्यागी ने बताया कि फिलहाल सरकार ने विदेश में भेजने के लिए, तोरई को प्राथमिकता में रखा है। अन्य सब्जियों की सप्लाई के लिए भी तैयारी की जा रही है।

तोरई के लिए प्रसिद्ध है क्षेत्र: गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र में करीब सात हजार हेक्टेयर से अधिक जमीन पर तोरई की फसल की बोआई की जाती है। प्रतिदिन यहां हजारों क्विंटल तोरई दिल्ली सहित आसपास की मंडियों में सप्लाई की जाती है। एक्सपोर्ट के लिए भरपूर मात्रा में तोरई की फसल मिलेगी। वर्तमान में करीब दस हजार से अधिक किसान जुड़े हैं।



शासन ने गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र को सब्जी उत्पादन क्षेत्र के लिए चुना है। इसमें विशेषकर तोरई को प्राथमिकता दी गई है। अगले वर्ष से यहां की तोरई की विदेश में सप्लाई शुरू हो जाएगी। बृहस्पतिवार को एक्सपोर्टर एवं एफपीओ के बीच जिला उद्यान विभाग एवं अन्य विभागों की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर हुए है। - **डाक्टर हरित कुमार**, जिला उद्यान अधिकारी

जैविक खेती में मेरठ मंडल में हापुड़ प्रथम

- एफपीओ को प्रोसेस एवं उत्पादन में मिला प्रथम पुरस्कार
- तीन वर्षों में दस गुना तक बढ़ गया जैविक खेती का रकबा



हापुड़ के किसान को मेरठ में सम्मानित करते मंत्री एवं अधिकारी ● सौ किसान

जागरण संवाददाता, हापुड़ः जिले में प्राकृतिक खेती के बढ़ते क्षेत्रफल एवं बेहतरीन उत्पाद को लेकर जिले के एफपीओ (किसान उत्पादन संगठन) को मेरठ मंडल में प्रथम स्थान मिला है। तीन दिवसीय इस कृषि मेले में एफपीओ को संचालित करने वाले किसान को प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया है।

जिले में तीन वर्ष पूर्व तक जैविक खेती को लेकर किसानों का कोई विशेष रुझान नहीं था। किसान हर्ष त्यागी ने यहां जैविक खेती की शुरूआत करते हुए अन्य किसानों की आय बढ़ाने के लिए एफपीओ के माध्यम से जोड़ा। परिणाम स्वरूप हापुड़ जिले में जैविक खेती का रकबा तीन वर्ष में 350 हेक्टेयर से बढ़कर 3500 हेक्टेयर के करीब पहुंच गया। इनके एफपीओ में करीब 756 किसान जुड़ गए तथा उनकी फसलों को सुरक्षित रखने के लिए बायोमास संचालित कोल्ड रूम भी बनाया गया। इसमें करीब एक माह तक फल एवं सब्जियों को तरोताजा रखा जा सकता है। इससे किसानों को लाभ हुआ। जैविक तरीके से खेती करने, उत्पाद प्रोसेस करके बाजार में बेचने व अन्य को इसमें जोड़ने, उनकी आय बढ़ाने को लेकर किसान हर्ष त्यागी को सम्मानित किया। बताया कि 16 से 18 अक्टूबर तक सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ में राष्ट्रीय किसान मेले का आयोजन हुआ। इसमें मेरठ मंडल के उत्कृष्ट किसान उत्पादक संगठन पुरस्कार में हापुड़ के आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लिमिटेड हापुड़ एफपीओ को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान को उर्जा राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर एवं उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता द्वारा हर्ष त्यागी को दिया गया।

जिले में अब पांच हजार से अधिक किसान कर रहे जहरमुक्त खेती

जागरण संवाददाता ● हापुड़

- कीटनाशक और रासायनिक उर्वरक वाले किसानों से अच्छी है रहे पैदावार
- रासायनिक खेती से डेढ़ से दोगुना तक ले रहे हैं पैदावार का बाजार भाव

जिले में पांच हजार किसानों ने जहरमुक्त खेती करनी शुरू कर दी है। इन किसानों ने खेतों में एक साल से किसी रसायन का प्रयोग नहीं किया है। इनको गुजरात की तर्ज पर जहर मुक्त खेती का प्रशिक्षण दिया गया है। उसके बाद किसानों ने गुजरात का दौरा भी किया था। इस प्रणाली से बिना रसायनों के जहरमुक्त खेती की गई और पैदावार में कोई कमी नहीं आई। इनकी जहरमुक्त पैदावार डेढ़ से दो-गुने मूल्यों पर बिक रही है। अब अधिकारी किसानों के समूह बनवाकर इनकी पैदावार के निर्यात की तैयारी कर रहे हैं।

दो साल से जहरमुक्त खेती कर रहे किसानों को पैदावार की बिक्री के लिए अब विश्वस्तर बाजार मिल सकेगा।

हमने जहरमुक्त खेती करने वाले किसानों की सूची मुख्यालय को भेज दी है। इसके लिए किसानों के समूह बनवाए जा रहे हैं। मेरठ के मोदीपुरम के कृषि विशेषज्ञों के साथ ही सरकारी निर्यात एजेंसी एपिडा से संपर्क किया जा रहा है। आने वाला समय जहरमुक्त खेती करने वाले किसानों का ही है। - डा. अरविंद कुमार, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद



मैं तीन साल से जैविक खेती कर रहा हूं। पहले साल पैदावार में थोड़ी कमी जरूर आई थी, उसके बाद से हमारी पैदावार केमिकल की खेती से ज्यादा हो रही है। हमको अच्छा प्लेटफार्म उपलब्ध है, जिस पर बेहतर कीमत मिल रही है।
- हर्ष त्यागी, किसान।



हमारा प्रयोग जैविक खेती से भी आगे निकल गया है। आजकल हम प्राकृत खेती करा रहे हैं। यह जीरो बजट खेती है। इसमें खर्च लगभग शून्य है और पैदावार की कीमत दो-गुना तक मिल रही है। दो साल में प्राकृत खेती करने वाले किसानों की संख्या 30 हजार तक हो जाएगी।
- कमल सिंह चौहान, पद्मश्री से सम्मानित किसान।

जिले में फिलहाल पांच हजार से ज्यादा किसान जहर मुक्त खेती कर रहे हैं। इन किसानों ने दो साल से खेतों में किसी प्रकार का रसायन प्रयोग नहीं किया है। इन खेतों में प्रयोग किए जा रहे कीटनाशक, फर्टीलाइजर और हर्बीसाइड सभी जैविक हैं। किसानों ने जहर मुक्त खेती करके रासायनिक खेती करने वाले किसानों से बेहतर पैदावार ली है। जहरमुक्त पैदावार को केमिकल के सापेक्ष डेढ़ से दोगुना तक बाजार भाव मिल रहा है। इससे इन किसानों की लागत कम होने के साथ ही आय ज्यादा हो गई है।

बनाए जाएंगे किसान समूहः अभी तक जहरमुक्त खेती करने वाले किसानों को कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता था। अब प्रशासन ने गुजरात की तर्ज पर जहर मुक्त खेती कराना शुरू कर दिया है। कृषि विभाग के साथ ही उद्यान विभाग ने भी जहर मुक्त फलों व सब्जियों की खेती कराना शुरू कर दी है।

जहर मुक्त खेती करने वाले किसानों को अब गुजरात की तर्ज पर प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं। वहीं विशेषज्ञों की टीम भी समय-समय पर जैविक खेती वाले क्षेत्रों का दौरा करती हैं। इसके लिए केमिकल फ्री खेती करने वाले किसानों के ग्रुप तैयार किए गए हैं। एक ही तरह की खेती करने वाले किसानों को एक ग्रुप में जोड़ा गया है। इनके ग्रुप को रसायनमुक्त का प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। किसानों को पैदावार का केमिकल फ्री होने का प्रमाणपत्र जारी कराई गई है। जिसमें अब किसानों की फल-सब्जी विदेशों तक जाएगी।

पैदावार के निर्यात की तैयारी : जहरमुक्त पैदावार को देश में ही अच्छी कीमत मिल रही है। यह सामान्य पैदावार से डेढ़ से दो गुना ज्यादा मूल्यों पर बिक रहे हैं। जिले में टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च सहित विभिन्न सब्जियों के साथ ही गेहूं, मक्का व धान की खेती भी इस विधि से की जा रही है। ज्यादातर किसानों को ठेकेदारों और स्थानीय मंडियों के आढ़तियों से एडवांस में आर्डर मिल रहे हैं। अब अधिकारी इनकी पैदावार को विदेश भेजने की तैयारी कर रहे हैं। इससे चार से पांच गुना कीमत मिल सकेगी। जहरमुक्त खेती करने से किसानों को फसल की बिक्री भी बढ़ने की उम्मीद है। इसके लिए उत्तर प्रदेश के मोदीपुरम कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ एपेडा के संपर्क में हैं।

अब हापुड़ के जैविक फल व सब्जियों का स्वाद चखेंगे विदेशी

हुसैन अर्ब ● हापुड़

आर्गेनिक खेती को लेकर जिले में किसानों का रुझान बढ़ता जा रहा है। जिले में आर्गेनिक खेती के रुझानों को देखते हुए अब उद्यान विभाग द्वारा पहली बार इनको विदेश तक बेचने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए उद्यान विभाग ने कई देशों के निर्यातकों के साथ किसानों की कई बैठक कराई है। जिसके अच्छे परिणाम किसानों को मिलने शुरू हो गए हैं।

रसायन के प्रयोग से खेती बंजर होने की तरफ बढ़ने लगी है। इस बात का साक्ष्य मृदा परीक्षण के सामने आने के बाद मिल गया है, तो वहीं रसायनिक सब्जियों एवं फलों के उपयोग से लोगों के जीवन पर भी गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इसी को देखते हुए जिले में जैविक खेती को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में आरंभशील किसान उत्पादन संगठन समिति (एफपीओ), फाउंडेशन फार एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज मैनेजमेंट एंड एनवायर्नमेंटल रेमेडिएशन (फारमर) संस्था तथा अन्य संगठनों के माध्यम से किसानों को जोड़ने की कवायद शुरू की गई है। जिसमें अभी तक एफपीओ में ही 303 से अधिक किसान सम्मिलित हो चुके हैं। जबकि, अन्य संगठनों से भी अनेकों किसान जुड़े हुए हैं। इनके द्वारा की जा रही जैविक खेती से उत्पन्न फलों, सब्जियों को अब विदेशों तक पहुंचाने की कवायद शुरू हो चुकी है।



आर्गेनिक सब्जी को दिखाते किसान ● सौ इंटरनेट वीडियो

कई फसलों का हो रहा उत्पादन

गढ़ के गांव भदस्याना में जैविक खेती करने वाले एफपीओ के अध्यक्ष किसान हर्ष त्यागी ने बताया कि आम, हल्दी, सरसों, धान, आलू सहित कई सब्जियों को जैविक विधि से पैदा किया जा रहा है। इन फसलों से उपज लेने के लिए उन्होंने हरी खाद, गोबर की कंपोस्ट खाद, वर्मी कंपोस्ट, जीवामृत, घनजीवामृत को स्वयं तैयार कर इनका प्रयोग किया। जिसके बाद फसलों की उपज बढ़नी शुरू हो गई तो वहीं बाजार में भी अच्छे दाम मिलने शुरू हो गए। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा निर्यातकों के साथ कराई गई बैठक के बाद अब विदेश से भी आर्डर आने शुरू हो गए हैं।

प्रदेश सरकार आर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को कई तरह की सब्सिडी के साथ प्रोत्साहन दे रही है। इनकी फसलों को उचित दाम मिले, इसके लिए खाड़ी के देशों के साथ ही अन्य देशों में निर्यात करने वाले निर्यातकों के साथ प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर गोष्ठी कराई गई है। जिसके बाद यह सकारात्मक संदेश मिलने शुरू हो गए हैं। -डाक्टर हरित कुमार, जिला उद्यान अधिकारी

आर्गेनिक खेती के रुझानों को देखते हुए अब उद्यान विभाग द्वारा पहली बार इनको विदेश तक बेचने की कवायद हो गई शुरू

कीटनाशक से इस तरह बचाई जाती है फसल

आर्गेनिक फसलों को बचाने के लिए रसायन का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसके लिए नीम के तेल, खट्टी छाछ का फफूंद नाशक के रूप में उपयोग किया जाता है। हरी मिर्च, लहसून, प्याज एवं नीम के पत्तों द्वारा कीट नियंत्रण किया जाता है। बायो कल्चरल जैसे ट्राइकोडर्मा, ब्यूवेरिया के माध्यम से भी कीट के प्रकोप से बचाया जाता है।

इन देशों से हुआ संपर्क : पिछले कुछ समय से आर्गेनिक खेती करने के लिए किसानों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि कई संगठनों के माध्यम से अब अनेकों किसान इस खेती से जुड़ चुके हैं। इन किसानों को फसलों का उचित दाम मिले। इसके लिए सिंगापुर, मलेशिया, दुबई सहित खाड़ी के दस देशों के निर्यातकों के साथ उद्यान विभाग द्वारा किसानों की कई बैठक अलग-अलग समय पर कराई गई है। जिसमें अब किसानों की फल-सब्जी विदेशों तक जाएगी।

संगठन बनाकर अच्छे दाम प्राप्त कर रहे किसान : दरअसल, आर्गेनिक खेती को लेकर किसान ज्यादा उत्सुक नहीं होते हैं, लेकिन संगठनों के माध्यम से उनको इसके लाभ बताकर लगातार जोड़ा जा रहा है। उनकी फसलों को उचित दाम दिलाने के लिए सभी एकजुट होकर फलों एवं सब्जियों को खेतों से ही पैकिंग आदि की व्यवस्था पूर्ण करने के बाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की तैयारी रखते हैं।

लगातार बढ़ रहा रकबा : रसायनों के प्रकोप से लगातार भूमि के बंजर होने तथा लोगों में बढ़ रही बीमारियों को देखते हुए आर्गेनिक खेती की तरफ लगातार रुझान बढ़ता जा रहा है। चंद बीघों से शुरू हुआ आर्गेनिक खेती का सिलसिला अब लगातार बढ़कर करीब 40 हेक्टेयर जमीन तक पहुंच चुका है। वहीं, आगामी समय में साल दर साल इसके बढ़ने के परिणाम सामने आएंगे।



माननीय कृषि राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष –2024 में किसानों की आय बढ़ाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

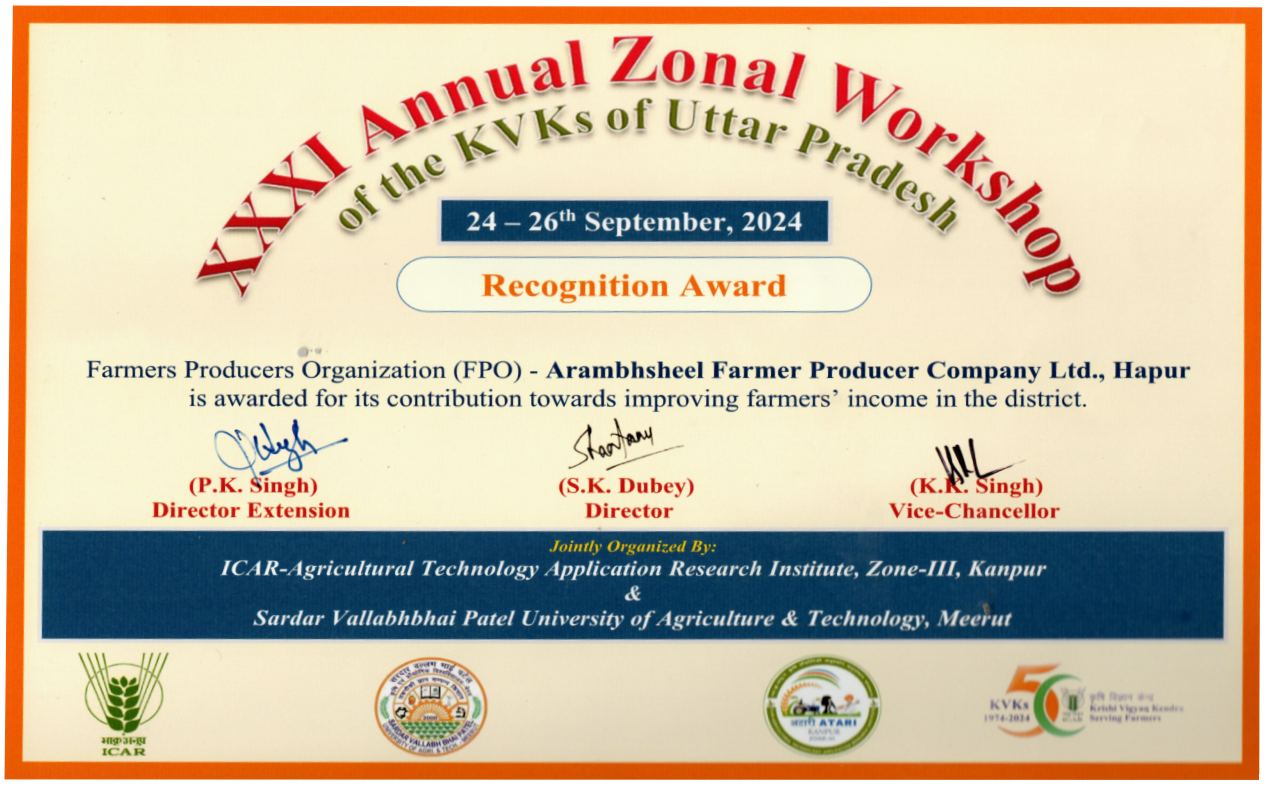



माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात उत्तर प्रदेश सरकार श्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा वर्ष –2025 में हमारे चौसा आम को द्वितीय पुरस्कार दिया गया।



उद्यान विभाग
उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2025
04-06 जुलाई, 2025

क्रम संख्या .....

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ0प्र0

उत्तर प्रदेश आम महोत्सव – 2025

अवध शिल्पग्राम, अवध विहार योजना, लखनऊ

प्रमाण–पत्र

द्वितीय

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु0 हर्षवर्धन स्वामी
जनपद - हापुड़
को अवध शिल्पग्राम, अवध विहार योजना, लखनऊ में दिनांक 04 से 06 जुलाई, 2025 तक आयोजित ''उत्तर प्रदेश आम महोत्सव, 2025'' में चौंसा
के प्रदर्शन हेतु द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

भानु प्रकाश राम निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तर प्रदेश/ अवैतनिक सचिव, आम महोत्सव समिति, उ0प्र0	बी.एल. मीणा, आई.ए.एस. अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तर प्रदेश शासन/ उपाध्यक्ष, आम महोत्सव समिति, उ0प्र0	दीपक कुमार आई.ए.एस. कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन/ अध्यक्ष, आम महोत्सव समिति, उ0प्र0

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश



माननीय कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा उत्कृष्ट किसान उत्पादक संगठन सम्मान वर्ष –2023

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

U.P.C.A.R.

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

उत्कृष्ट कृषक उत्पादक संगठन सम्मान

उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद के 34वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर

27 अक्टूबर 2023

स्थानः इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ द्वारा **आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहाकरी समिति लि., गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़** को विभिन्न कृषिगत आयामों एवं मोटे अनाज के सम्बन्ध में किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु **"उत्कृष्ट कृषक उत्पादक संगठन सम्मान"** से सुशोभित किया जाता है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डा. संजय सिंह
महानिदेशक
उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

कैप्टन विकास गुप्ता (से.नि.)
अध्यक्ष
उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ



माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा वर्ष –2025 में प्राकृतिक खेती के नवाचार प्रयोग एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।



तकनीकी ज्ञान सम्पन्न किसान

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
मेरठ, उ0प्र0

सम्मान पत्र

विश्वविद्यालय में कृषि तकनीकी नवाचार केन्द्र के लोकार्पण के सुअवसर पर दिनांक 08 जुलाई, 2025 को श्री हर्षवर्धन त्यागी, ग्राम भदस्याना, जनपद हापुड़ को कृषि क्षेत्र में नवाचार प्रयोग हेतु उत्कृष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है।

हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(पी.के. सिंह)
निदेशक प्रसार

(के.के. सिंह)
कुलपति

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

4. गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ क्षेत्र में लगे बायो **CNG** प्लांट से निकलने वाली जैविक कंपोस्ट खाद को किसानों के खेतों में इस्तेमाल कराया जा रहा है जिससे जिले में रसायनिक खाद जैसे डी.ए.पी., यूरिया के उपयोग में लगातार कमी आ रही है ।



5. श्री अन्न को बढ़ावा देते हुए **FPO** द्वारा किसानों को बाजरा एवं ज्वार की खेती शुरू कराई गई है, किसानों द्वारा तैयार किए जा रहे बाजरा और ज्वार को वापस खरीद कर **FPO** द्वारा उनके उत्पाद जैसे :– बिस्किट, लड्डू आदि तैयार कराए जाते हैं और फिर बेचा जाता है, **FPO** के इस प्रयास को प्रोत्साहित करने के लिए माननीय कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा 2023 में **FPO** को उत्कृष्ट **FPO** सम्मान दिया गया है ।

6. सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा भी **FPO** को कृषि विविधीकरण एवं जैविक एवं प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए 2023 और 2024 में सम्मानित किया गया है । हापुड़ जिले में पिछले 4 वर्षों में लगभग 5000 से अधिक किसानों को कृषि विभाग हापुड़ के रसायन मुक्त खेती के कार्यक्रम से जोड़ा गया है और लगभग 3000 हेक्टेयर भूमि पर हापुड़ जिले में जैविक एवं प्राकृतिक खेती किसानों द्वारा की जा रही है, इस संदर्भ में आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा 756 जैविक एवं प्राकृतिक खेती के किसानों को **FPO** का सदस्य बनाया गया है और उनके जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है ।





आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

महत्वपूर्ण अवसरों पर F.P.O. का प्रदर्शन



Showcasing Organic Mango of Hapur District at Mango Festival 2024
To Honourable Chief Minister U.P Shri Yogi Adityanath Ji.



Showcasing FPO Products to Honourable Governor U.P State
Smt. Anandiben Patel Ji by Our FPO Director Smt. Meenu



Chief Secretary Govt of U.P. Shri Manoj Kumar Singh Ji
Appreciating Our FPO Activities towards Organic & Natural Farming.



Honourable Agriculture Minister Govt of India Shri Shivraj Singh Chauhan Ji
Appreciating Our FPO Products & Our Farmers at 96th PUSA Foundation Day.



Presentation on Processing of Agriculture Production Given to
Honourable Agriculture Minister Govt of U.P. Shri Surya Pratap Shahi Ji



Our FPO Products & Activities Presentation given to
Honourable Agriculture Secratary Govt of India Shri Devesh Chaturvedi Ji

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

संवाद पत्र / News Letters





कोल्ड रूम में लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगी फल और सब्जियां

निर्यात की तैयारी

धुव ठाकुर • हापुड़

10 लाख की लागत से गढ़मुक्तेश्वर में तैयार किया जाएगा कोल्ड रूम

400 से अधिक जिले में किसान जुड़े है जैविक खेती से

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। जैविक खेती का रकबा बढ़ने के साथ ही अब उनसे पैदा होने वाले फलों एवं सब्जियों को सुरक्षित एवं तरोताजा रखने के लिए गढ़ क्षेत्र में एक कोल्ड रूम बनाने की प्रकिया जल्द शुरू होने जा रही है। इससे आर्गेनिक खेती करने वाले 400 से अधिक किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। जिले में जैविक खेती को लेकर संबंधित विभाग लगातार प्रयास कर रहे है।

इससे चंद वर्षों में जैविक खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है। अब यह रकबा 40 हेक्टयर को पार कर चुका है। इसमें विभिन्न सब्जियां, गेहूं, सरसों सहित फलों की पैदावार की जा रही है। किसानों को बेहतर दाम मिले इसके लिए विदेशों में निर्यात करने वाले निर्यातकों के साथ जिला उद्यान विभाग द्वारा प्रदेश में कई स्थानों पर बैठक कराई गई है। इसके बाद किसानों की फसल विदेश तक पहुंचनी शुरू हो जाएगी, पर इससे पूर्व किसानों को नुकसान से बचाने व फलों को तरोताजा रखने के लिए विभाग ने नई पहल शुरू की है।

जैविक फलों को दिखाते किसान हर्ष त्यागी • सौ.इंटरनेट मीडिया

सरकार द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कई तरह की योजना चलाई गई है। इसी के तहत कोल्ड रुम निर्माण की व्यवस्था भी उद्यान विभाग द्वारा की जाती है। किसानों की फसलों को सुरक्षित एवं तरोताजा रखने के लिए कोल्ड रुम की जरुरत होती है। इसके लिए किसान द्वारा आवेदन किया गया है। जल्द ही इसकी प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी। –डाक्टर हरित कुमार, जिला उद्यान अधिकारी

संस्था व अन्य संगठनों से किसानों को जोड़ने की कवायद शुरू

आरंभशील किसान उत्पादन संगठन समिति (एफपीओ), फाउंडेशन फार एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज मैनेजमेंट एंड एंवायरमेंटल रेमेडिएशन (फारमर) संस्था व अन्य संगठनों के माध्यम से किसानों को जोड़ने की कवायद शुरू है। भदस्याना में जैविक खेती करने वाले एफपीओ अध्यक्ष किसान हर्ष त्यागी ने बताया कि आम, हल्दी, सरसों, धान, आलू सहित कई सब्जियों को जैविक विधि से उगाया जा रहा है। इन्हें सुरक्षित व तरोताजा रखने को अब 10 लाख की लागत से जिला उद्यान विभाग कोल्ड रूम बनवाएगा। हर सब्जी व फल को अलग तापमान की जरुरत होती है। इसके लिए फल-सब्जी को उसी तापमान पर अलग रुम में रखा जाता है। किसान हर्ष ने बताया कि जिस सब्जी या फल में पानी की मात्रा अधिक होगी वह 20 से 25 दिनों तक कोल्ड रूम में रखी जा सकती है। वहीं जिस फल एवं सब्जी में पानी की मात्रा कम होगी, उसे 45 से 60 दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

कई गुना मिल रहे दाम

किसान हर्ष त्यागी ने बताया कि जैविक फल व सब्जी के प्रचार के लिए किसानों ने अपना यूट्यूब चैनल व इंटरनेट मीडिया का सहारा लिया है। इससे करीब 800 उपभोक्ताओं को सीधे फल व सब्जी दी जा रही है। रासायनिक सब्जियों के सापेक्ष बाजार में उनको ढाई से तीन गुना तक दाम मिल रहा है। उनके एक मित्र ने जैविक आम की खेती की है। विदेश में उनकी कीमत 850 रुपये प्रति किलो तक मिली है, जबकि उस पर अधिकतम खर्च मात्र 275 रुपये प्रतिकिलो तक आया है। कई बार देखने में आता है कि सब्जी अथवा फलों की अधिक मात्रा होने से मंडियों में इनके दाम में गिरावट आ जाती है। इससे किसानों को पूर्ण लाभ नहीं मिलता। ऐसे में मंदी को देखते हुए किसान अपने फल व सब्जियों को 20 से 60 दिनों तक सुरक्षित रखते हुए समय आने पर उचित दामों पर बेच सकते हैं।

जिले में अब पांच हजार से अधिक किसान कर रहे जहरमुक्त खेती

ठाकुर डीपी आर्य • हापुड़

- कीटनाशक और रासायनिक उर्वरक वाले किसानों से अच्छी ले रहे पैदावार
- रासायनिक खेती से डेढ़ से दोगुना तक ले रहे हैं पैदावार का बाजार भाव

जिले में पांच हजार किसानों ने जहरमुक्त खेती करनी शुरू कर दी है। इन किसानों ने खेतों में एक साल से किसी रसायन का प्रयोग नहीं किया है। इनको गुजरात की तर्ज पर जहर मुक्त खेती का प्रशिक्षण दिया गया है। उसके बाद किसानों ने गुजरात का दौरा भी किया था। इस प्रणाली से बिना रसायनों के जहरमुक्त खेती की गई और पैदावार में कोई कमी नहीं आई। इनकी जहरमुक्त पैदावार डेढ़ से दो-गुने मूल्यों पर बिक रही है। अब अधिकारी किसानों के समूह बनवाकर इनकी पैदावार के निर्यात की तैयारी कर रहे हैं।

दो साल से जहरमुक्त खेती कर रहे किसानों को पैदावार की बिक्री के लिए अब विधिवत बाजार मिल सकेगा।

हमने जहरमुक्त खेती करने वाले किसानों की सूची मुख्यालय को भेज दी है। इसके लिए किसानों के समूह बनवाए जा रहे हैं। मेरठ के मोदीपुरम के कृषि विशेषज्ञों के साथ ही सरकारी निर्यात एजेंसी एपिडा से संपर्क किया जा रहा है। आने वाला समय जहरमुक्त खेती करने वाले किसानों का ही है। – डा. अरविंद कुमार, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र



मैं तीन साल से जैविक खेती कर रहा हूं। पहले साल पैदावार में थोड़ी कमी जरूर आई थी, उसके बाद से हमारी पैदावार केमिकल की खेती से ज्यादा हो रही है। हमको अच्छा प्लेटफार्म उपलब्ध है, जिस पर बेहतर कीमत मिल रही है।
– हर्ष त्यागी, किसान।



हमारा प्रयोग जैविक खेती से भी आगे निकल गया है। आजकल हम प्राकृत खेती करा रहे हैं। यह जीरो बजट खेती है। इसमें खर्च लगभग शून्य है और पैदावार की कीमत दो-गुना तक मिल रही है। दो साल में प्राकृत खेती करने वाले किसानों की संख्या 30 हजार तक हो जाएगी।
– कमल सिंह चौहान, पदमश्री से सम्मानित किसान।

जिले में फिलहाल पांच हजार से ज्यादा किसान जहर मुक्त खेती कर रहे हैं। इन किसानों ने दो साल से खेतों में किसी प्रकार का रसायन प्रयोग नहीं किया है। इन खेतों में प्रयोग किए जा रहे कीटनाशक, फर्टीलाइजर और हर्बीसाइट सभी जैविक हैं। किसानों ने जहर मुक्त खेती करके रासायनिक खेती करने वाले किसानों से बेहतर पैदावार ली है। जहरमुक्त पैदावार को केमिकल के सापेक्ष डेढ़ से दोगुना तक बाजार भाव मिल रहा है। इससे इन किसानों की लागत कम होने के साथ ही आय ज्यादा हो गई है।

बनाए जाएंगे किसान समूह: अभी तक जहरमुक्त खेती करने वाले किसानों को कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता था। अब प्रशासन ने गुजरात की तर्ज पर जहर मुक्त खेती कराना शुरू कर दिया है। कृषि विभाग के साथ ही उद्यान विभाग ने भी जहर मुक्त फलों व सब्जियों की खेती करानी शुरू कर दी है।

जहर मुक्त खेती करने वाले किसानों को अब गुजरात की तर्ज पर प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं। वहीं विशेषज्ञों की टीम भी समय-समय पर जैविक खेती वाले क्षेत्रों का दौरा करती हैं। इसके लिए केमिकल फ्री खेती करने वाले किसानों के ग्रुप तैयार किए गए हैं। एक ही तरह की खेती करने वाले किसानों को एक ग्रुप में जोड़ा गया है। इनके ग्रुप को रसायनमुक्त का प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। किसानों को पैदावार का केमिकल फ्री होने का प्रमाणपत्र जारी दिया जा रहा है।

पैदावार के निर्यात की तैयारी : जहरमुक्त पैदावार को देश में ही अच्छी कीमत मिल रही है। यह सामान्य पैदावार से डेढ़ से दो गुना ज्यादा मूल्यों पर बिक रहे हैं। जिले में टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च सहित विभिन्न सब्जियों के साथ ही गेहूं, मक्का व धान की खेती भी इस विधि से की जा रही है। ज्यादातर किसानों को ठेकेदारों और स्थानीय मंडियों के आढ़तियों से एडवांस में आर्डर मिल रहे हैं। अब अधिकारी इनकी पैदावार को विदेश भेजने की तैयारी कर रहे हैं। इससे चार से पांच गुना कीमत मिल सकेगी। जहरमुक्त खेती करने से किसानों को फसल की बिक्री भी बढ़ने की उम्मीद है। इसके लिए उत्तर प्रदेश के मोदीपुरम कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ एपेडा के संपर्क में हैं।

अब हापुड़ के जैविक फल व सब्जियों का स्वाद चखेंगे विदेशी

धुव ठाकुर • हापुड़

आर्गेनिक खेती को लेकर जिले में किसानों का रुझान बढ़ता जा रहा है। जिले में आर्गेनिक खेती के रुझानों को देखते हुए अब उद्यान विभाग द्वारा पहली बार इनको विदेश तक बेचने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए उद्यान विभाग ने कई देशों के निर्यातकों के साथ किसानों की कई बैठक कराई है। जिसके अच्छे परिणाम किसानों को मिलने शुरू हो गए हैं।

रसायन के प्रयोग से खेती बंजर बनने की तरफ बढ़ने लगी है। इस बात का साक्ष्य मृदा परीक्षण के नमूने आने के बाद मिल गया है, तो वहीं रसायनिक सब्जियों एवं फलों के उपयोग से लोगों के जीवन पर भी गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इसी को देखते हुए जिले में जैविक खेती को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में आरंभशील किसान उत्पादन संगठन समिति (एफपीओ), फाउंडेशन फार एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज मैनेजमेंट एंड एनवायर्नमेंटल रेमेडिएशन (फारमर) संस्था तथा अन्य संगठनों के माध्यम से किसानों को जोड़ने की कवायद शुरू की गई है। जिसमें अभी तक एफपीओ में ही 303 से अधिक किसान सम्मिलित हो चुके हैं। जबकि, अन्य संगठनों से भी अनेकों किसान जुड़े हुए हैं। इनके द्वारा की जा रही जैविक खेती से उत्पन्न फलों, सब्जियों को अब विदेशों तक पहुंचाने की कवायद शुरू हो चुकी है।



आर्गेनिक सब्जी को दिखाते किसान • सौ इंटरनेट मीडिया

कई फसलों का हो रहा उत्पादन

गढ़ के गांव भदस्याना में जैविक खेती करने वाले एफपीओ के अध्यक्ष किसान हर्ष त्यागी ने बताया कि आम, हल्दी, सरसों, धान, आलू सहित कई सब्जियों को जैविक विधि से पैदा किया जा रहा है। इन फसलों से उपज लेने के लिए उन्होंने हरी खाद, गोबर की कंपोस्ट खाद, वर्मी कंपोस्ट, जीवामृत, घनजीवामृत को स्वयं तैयार कर इनका प्रयोग किया। जिसके बाद फसलों की उपज बढ़नी शुरू हो गई तो वहीं बाजार में भी अच्छे दाम मिलने शुरू हो गए। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा निर्यातकों के साथ कराई गई बैठक के बाद अब विदेश से भी आर्डर आने शुरू हो गए हैं।

प्रदेश सरकार आर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को कई तरह की सब्सिडी के साथ प्रोत्साहन दे रही है। इनकी फसलों को उचित दाम मिले, इसके लिए खाड़ी के देशों के साथ ही अन्य देशों में निर्यात करने वाले निर्यातकों के साथ प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर गोष्ठी कराई गई है। जिसके बाद यह सकारात्मक संदेश मिलने शुरू हो गए हैं। –डाक्टर हरित कुमार, जिला उद्यान अधिकारी

आर्गेनिक खेती के रुझानों को देखते हुए अब उद्यान विभाग द्वारा पहली बार इनको विदेश तक बेचने की कवायद हो गई शुरू

कीटनाशक से इस तरह बचाई जाती है फसल

आर्गेनिक फसलों को बचाने के लिए रसायन का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसके लिए नीम के तेल, खट्टी छाछ का फफूंद नाशक के रूप में उपयोग किया जाता है। हरी मिर्च, लहसून, प्याज एवं नीम के पत्तों द्वारा कीट नियंत्रण किया जाता है। बायो कल्चरल जैसे ट्राइकोडर्मा, ब्यूवेरिया के माध्यम से भी कीट के प्रकोप से बचाया जाता है।

इन देशों से हुआ संपर्क : पिछले कुछ समय से आर्गेनिक खेती करने के लिए किसानों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि कई संगठनों के माध्यम से अब अनेकों किसान इस खेती से जुड़ चुके हैं। इन किसानों को फसलों का उचित दाम मिले। इसके लिए सिंगापुर, मलेशिया, दुबई सहित खाड़ी के दस देशों के निर्यातकों के साथ उद्यान विभाग द्वारा किसानों की कई बैठक अलग-अलग समय पर कराई गई है। जिसमें अब किसानों की फल-सब्जी विदेशों तक जाएगी।

संगठन बनाकर अच्छे दाम प्राप्त कर रहे किसान : दरअसल, आर्गेनिक खेती को लेकर किसान ज्यादा उत्सुक नहीं होते हैं, लेकिन संगठनों के माध्यम से उनको इसके लाभ बताकर लगातार जोड़ा जा रहा है। उनकी फसलों को उचित दाम दिलाने के लिए सभी एकजुट होकर फलों एवं सब्जियों को खेतों से ही पैकिंग आदि की व्यवस्था पूर्ण करने के बाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की तैयारी रखते हैं।

लगातार बढ़ रहा रकबा : रसयानों के प्रकोप से लगातार भूमि के बंजर होने तथा लोगों में बढ़ रही बीमारियों को देखते हुए आर्गेनिक खेती की तरफ लगातार रुझान बढ़ता जा रहा है। चंद बीघों से शुरू हुआ आर्गेनिक खेती का सिलसिला अब लगातार बढ़कर करीब 40 हेक्टेयर जमीन तक पहुंच चुका है। वहीं, आगामी समय में साल दर साल इसके बढ़ने के परिणाम सामने आएंगे।

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

प्रदर्शनी में हापुड़ के प्राकृतिक उत्पादों की हुई सराहना



कृषि मंत्री को प्राकृतिक खेती के प्रयासों के बारे में जानकारी देते किसान हर्ष त्यागी ●

जागरण संवाददाता, हापुड़: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस पर दिल्ली में प्राकृतिक उत्पादों के प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। इसमें हापुड़ जिले से भी प्राकृतिक उत्पादों के प्रयासों को प्रदर्शित किया गया।

जिले में जैविक, प्राकृतिक खेती करने वाले एवं एफपीओ संचालित करने वाले किसान हर्ष त्यागी को विभाग की तरफ से दिल्ली में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस में आमंत्रित किया गया था, जिसमें उनके द्वारा उत्पन्न किए गए प्राकृतिक उत्पादों के प्रयास को प्रदर्शित करने को कहा था। स्थापना दिवस के कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हापुड़ के प्राकृतिक उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की, जिसमें जिले में लगातार बढ़ रही जैविक एवं प्राकृतिक खेती के बारे में प्रस्तुति दी।

नोएडा के ट्रेड शो में हापुड़ के किसानों ने किया प्रतिभाग



नोएडा में हापुड़ के किसानों से जानकारी लेते जिला कृषि अधिकारी ● सौ. विभाग

जैविक एवं प्राकृतिक खेती से पैदा चीज आ रही पसंद, उपकृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी ने उत्पादनों के बारे में ली जानकारी

जागरण संवाददाता, हापुड़ : नोएडा में चल रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में हापुड़ के करीब 250 किसानों ने भाग लिया। इस शो में हापुड़ के दो एफपीओ द्वारा अपने उत्पादनों की प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में रविवार को उपकृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी द्वारा भी उत्पादनों के बारे में जानकारी की गई।

ट्रेड शो में हापुड़ के फार्मर्स प्रोडयूसर्स आर्गेनाइजेशन (एफपीओ) द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है इसमें जैविक एवं प्राकृतिक खेती के माध्यम से पैदा की गई फसलों के उत्पादन के स्टाल लगाए गए। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि इस शो में रविवार को हापुड़ कृषि विभाग द्वारा 100 से अधिक किसानों को ले जाया गया तथा प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी गई इस प्रदर्शनी में तेल, दलहन, मसाले, बासमती धान के अलावा शहद आदि के स्टाल लगाए गए। अभी तक इस प्रदर्शनी में 250 से अधिक किसानों ने भाग लेकर जानकारी एकत्र की है। इसके अतिरिक्त इस शो में कृषि संत्रों के बारे में भी जानकारी देकर किसानों को आधुनिक खेती करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

गढ़ के गांव भदस्याना में जल्द शुरू होगा कोल्ड रूम

संवाद न्यूज एजेंसी



गांव भदस्याना में बने कोल्ड रूम का निरीक्षण करते अधिकारी। संवाद

हापुड़। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गढ़ के गांव भदस्याना में उद्यान विभाग द्वारा कोल्ड रूम का निर्माण कराया जा रहा है। इसके बनने से इस खेती से जुड़े सैकड़ों किसानों को फसल व फल आदि स्टोर करने का लाभ मिल सकेगा। शनिवार को कृषि मंत्रालय के निरीक्षण व मार्केटिंग विभाग के उप निदेशक गजेंद्र सिंह का इसका निरीक्षण कर किसानों को दिशा निर्देश दिए।

जिले में जैविक खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है। यह रकबा 40 हेक्टेयर पार हो चुका है। ऐसे किसानों को बढ़ावा देने के लिए आरंभील किसान उत्पादन संगठन समिति (एफपीओ) का गठन किया गया है। इसमें करीब 350 किसान जुड़े हुए हैं। इस संगठन और उद्यान विभाग के प्रयास से गांव भदस्याना में इस कोल्ड रूम का निर्माण हो रहा है। संस्था के अध्यक्ष व प्रगतिशील किसान हर्ष त्यागी ने बताया कि करीब दस लाख रुपये की लागत से इस कोल्ड रूम का निर्माण हो रहा है। जिसमें किसान 25 दिनों तक अपनी सब्जी या फलों आदि का स्टोरेज कर सकेंगे। इसके बाद फिर इसे एक साथ निर्यात किया जा सकेगा।

हापुड़ www.jagran.com

जैविक खेती को नया उत्कर्ष प्रदान कर रहे हर्षवर्धन

तंत्र के गण

शुभ शर्मा ● हापुड़



हापुड़ के किसान को सम्मानित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ● सौ किसान

पिछले दो वर्षों की स्थिति

- **350** थी 2022 में किसानों की संख्या
- **3,506** थी 2023 में किसानों की संख्या
- **100** हेक्टेयर था 2022 में जैविक खेती का क्षेत्रफल
- **350** हेक्टेयर था जैविक खेती का क्षेत्रफल



हर्षवर्धन त्यागी, किसान ●

परंपरागत तरीके से हटाकर किसानों को हर्ष त्यागी ने कम लागत और ज्यादा लाभ वाली अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ लिया। छोटे-छोटे किसानों का एफपीओ बनाकर उन्होंने खेती को कंपनी की तरह करना सिखाया। आय बढ़नी शुरू हुई तो उनके साथ एक-एक कर सैकड़ों किसान जुड़ते चले गए। उनके इस प्रयास के बाद जैविक खेती करने वाले किसानों को एक नई दिशा मिल गई है। अच्छे दाम मिलने के कारण एक वर्ष में ही किसानों की संख्या दस गुना तक बढ़ गई है।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि जिले में पिछले एक वर्ष में जैविक खेती का रकबा सौ हेक्टेयर से बढ़कर 350 हेक्टेयर को पार कर चुका है। 3500 से अधिक किसान अब जैविक खेती से जुड़ गए हैं। पहले यह किसान स्वयं अपनी फसलों के उत्पाद बेचने के लिए दूसरे शहरों का रुख करते थे, जिससे उनको खर्चा अधिक आने के कारण बचत कम हो पाती थी। लेकिन सरकार ने एफपीओ (फार्मर प्रोडक्शन आर्गनाइजेशन) किसान उत्पादक संगठन, से जोड़ कर किसानों को उनकी फसल का उचित दाम दिलाने का प्रयास किया है, जिसके परिणाम चौंकाने वाले आए हैं। एफपीओ के माध्यम से किसान अपनी फसलों के उत्पाद को प्रोसेस कर उनकी पैकिंग करने के बाद बाजार में बेच रहे हैं, जहां उनको उर्वरक से उत्पन्न फसलों के मुकाबले 20 से 30 प्रतिशत अधिक दाम मिल रहे हैं।

कई मंच पर हो चुके हैं सम्मानित

जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा उत्पादों को प्रोसेस करके बाजार में बेच कर किसानों को अच्छी आय देने के मामले में हर्ष त्यागी को कई मंचों पर सम्मान मिल चुका है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उनको इस अथक प्रयास के लिए सम्मानित किया तो वहीं मेरठ के सरदार पटेल कृषि विवि, उत्तर प्रदेश ट्रेड शो में कृषि विभाग प्रदर्शनी में बेहतर उत्पाद पेश करने एवं एआइएफ द्वारा भी उनको सम्मानित किया गया।

कोल्ड रूम तैयार : अभी तक फसलों को सुरक्षित रखने में किसानों को दिक्कत आती थी, मगर अब सब्जियों एवं अन्य फसलों को सुरक्षित रखने के लिए गढ़ क्षेत्र में (एनसीडीसी) राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम योजना के तहत करीब 20 लाख रुपये की लागत से कोल्ड रूम बनकर तैयार हो गया है जो बायोमास से संचालित होगा तथा इसके अंदर डिहाइड्रेशन प्रोसेस करने की पूर्ण व्यवस्था होगी। इसमें रखे ताजा उत्पाद 30 दिनों तक तरोताजा रहेंगे।

इस तरह कार्य करता है एफपीओ : एफपीओ के अध्यक्ष हर्षवर्धन त्यागी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा पूरे देश में दस हजार किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने का लक्ष्य रखा गया था। भारत सरकार के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने इसमें विशेष रुचि लेते हुए उद्यान, कृषि सहित कई विभागों को किसानों के सहयोग के लिए सक्रिय कर दिया। इसमें नमामि गंगे योजना के तहत गंगा किनारे के किसानों को जैविक खेती के लिए विशेष ध्यान दिया। किसी भी एफपीओ में कार्य करने वाले किसानों को सदस्य बनाकर सबसे पहले प्रति किसान दो हजार रुपये लेकर शेयर होल्डर बनाया जाता है। एफपीओ एक कंपनी के तौर पर कार्य करती है जिसके सदस्य जैविक खेती करने वाले किसान होते है।

नमामि गंगे योजना के तहत गढ़ क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जैविक खेती को लेकर सरकार कई तरह की अन्य योजनाएं भी चल रही है। इसके लिए किसानों को हर तरह का सहयोग दिया जा रहा है। जिले में लगातार जैविक खेती का रकबा बढ़ रहा है।

– डाक्टर वीवी द्विवेदी, उप कृषि निदेशक हापुड़

विविध गतिविधियां

आम महोत्सव में पहुंचे हापुड़ के किसान



हापुड़ के आम के बारे में जानकारी करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● सौ किसान

जस, हापुड़: प्रदेश में तीन दिनों तक आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, इसमें हापुड़ के दस किसानों ने अपने आम की विभिन्न प्रजातियों के साथ भाग लिया है। महोत्सव के प्रथम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम के बारे में जानकारी हासिल की। इस दौरान हापुड़ से जैविक विधि से आम पैदा करने वाले किसान हर्ष त्यागी से उन्होंने वार्ता करते हुए अन्य किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रेरित करने को कहा। इसके अतिरिक्त हापुड़ से गए अन्य किसानों ने भी अपने आम के बारे में जानकारी दी।

जैविक खेती में मेरठ मंडल में हापुड़ प्रथम

- एफपीओ को प्रोसेस एवं उत्पादन में मिला प्रथम पुरस्कार
- तीन वर्षों में दस गुना तक बढ़ गया जैविक खेती का रकबा



हापुड़ के किसान को मेरठ में सम्मानित करते मंत्री एवं अधिकारी ● सौ किसान

जागरण संवाददाता, हापुड़: जिले में प्राकृतिक खेती के बढ़ते क्षेत्रफल एवं बेहतरीन उत्पाद को लेकर जिले के एफपीओ (किसान उत्पादन संगठन) को मेरठ मंडल में प्रथम स्थान मिला है। तीन दिवसीय इस कृषि मेले में एफपीओ को संचालित करने वाले किसान को प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया है।

जिले में तीन वर्ष पूर्व तक जैविक खेती को लेकर किसानों का कोई विशेष रुझान नहीं था। किसान हर्ष त्यागी ने यहां जैविक खेती की शुरूआत करते हुए अन्य किसानों की आय बढ़ाने के लिए एफपीओ के माध्यम से जोड़ा। परिणाम स्वरूप हापुड़ जिले में जैविक खेती का रकबा तीन वर्ष में 350 हेक्टेयर से बढ़कर 3500 हेक्टेयर के करीब पहुंच गया। इनके एफपीओ में करीब 756 किसान जुड़ गए तथा उनकी फसलों को सुरक्षित रखने के लिए बायोमास संचालित कोल्ड रूम भी बनाया गया। इसमें करीब एक माह तक फल एवं सब्जियों को तरोताजा रखा जा सकता है। इससे किसानों को लाभ हुआ। जैविक तरीके से खेती करने, उत्पाद प्रोसेस करके बाजार में बेचने व अन्य को इसमें जोड़ने, उनकी आय बढ़ाने को लेकर किसान हर्ष त्यागी को सम्मानित किया। बताया कि 16 से 18 अक्टूबर तक सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ में राष्ट्रीय किसान मेले का आयोजन हुआ। इसमें मेरठ मंडल के उत्कृष्ट किसान उत्पादक संगठन पुरस्कार में हापुड़ के आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लिमिटेड हापुड़ एफपीओ को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान को उर्जा राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर एवं उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता द्वारा हर्ष त्यागी को दिया गया।

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उपलब्धियाँ एवं पुरस्कार / Achievements & Awards

XXXI Annual Zonal Workshop of the KVKs of Uttar Pradesh

24 – 26th September, 2024

Recognition Award

Farmers Producers Organization (FPO) - **Arambhsheel Farmer Producer Company Ltd., Hapur** is awarded for its contribution towards improving farmers' income in the district.

(P.K. Singh)	(S.K. Dubey)	(K.K. Singh)
Director Extension	Director	Vice-Chancellor

Jointly Organized By:
ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute, Zone-III, Kanpur
&
Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture & Technology, Meerut

---

तकनीकी ज्ञान सम्पन्न किसान

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ (उ0प्र0)

सम्मान पत्र

विश्वविद्यालय में आयोजित कृषक उत्पादक संगठन समागम दिनांक 16 दिसम्बर, 2024 के अवसर पर विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र के कृषक उत्पादक संगठन आरम्भशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लिमिटेड, जनपद - हापुड़ को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया जाता है।

हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(पी.के. सिंह)	(के.के. सिंह)
निदेशक प्रसार	कुलपति

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उपलब्धियाँ एवं पुरस्कार
Achievements & Awards



उत्तर प्रदेश सरकार

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

U.P.C.A.R.

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

उत्कृष्ट कृषक उत्पादक संगठन सम्मान

उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद के 34वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर

27 अक्टूबर 2023

स्थानः इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ द्वारा **आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहाकरी समिति लि., गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़** को विभिन्न कृषिगत आयामों एवं मोटे अनाज के सम्बन्ध में किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु **"उत्कृष्ट कृषक उत्पादक संगठन सम्मान"** से सुशोभित किया जाता है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डा. संजय सिंह
महानिदेशक
उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

कैप्टन विकास गुप्ता (से.नि.)
अध्यक्ष
उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उपलब्धियाँ एवं पुरस्कार / Achievements & Awards

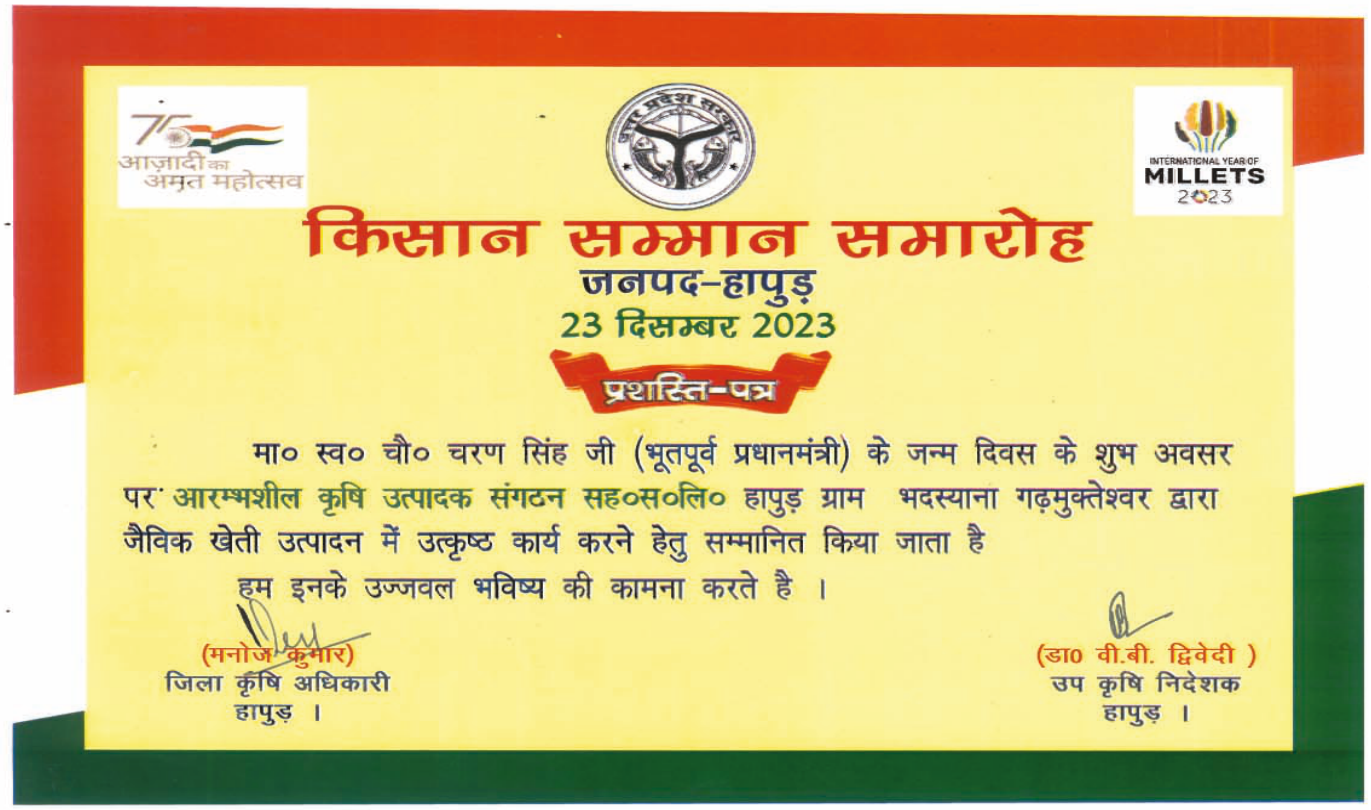

आज़ादी का अमृत महोत्सव

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

किसान सम्मान समारोह

जनपद-हापुड़

23 दिसम्बर 2023

प्रशस्ति-पत्र

मा० स्व० चौ० चरण सिंह जी (भूतपूर्व प्रधानमंत्री) के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आरम्भशील कृषि उत्पादक संगठन सह०स०लि० हापुड़ ग्राम भदस्याना गढ़मुक्तेश्वर द्वारा जैविक खेती उत्पादन में उत्कृष्ठ कार्य करने हेतु सम्मानित किया जाता है

हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है ।

(मनोज कुमार)
जिला कृषि अधिकारी
हापुड़ ।

(डा० वी.बी. द्विवेदी)
उप कृषि निदेशक
हापुड़ ।



ICAR

कृषि विज्ञान केन्द्र, बुलन्दशहर

प्रमाण-पत्र

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ

प्रमाणित किया जाता है कि मैसर्स. आरम्भशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ (FPO) के द्वारा दिनांक 24-12-2023 को किसान मेले के अवसर पर उत्कृष्ट स्टॉल लगाई तथा किसानों को प्रोत्साहित/लाभान्वित किया। इसके लिए आपको सम्मानित किया जाता है।

परियोजना समन्वयक
फसल अवशेष प्रबन्धन
कृषि विज्ञान केन्द्र, बुलन्दशहर

प्रभारी अधिकारी
कृषि विज्ञान केन्द्र,
बुलन्दशहर

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उपलब्धियाँ एवं पुरस्कार / Achievements & Awards

प्रशास्ति–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कृषि अवस्थापना निधि योजना के अन्तर्गत एफ0पी0ओ0/समिति आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सह. समि. लि. जनपद हापुड़ में उत्कृष्ट कार्य किया गया है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री हर्षवर्धन त्यागी की सराहना की जाती है।

(बी0एल0 मीणा)
(आई.ए.एस)
प्रमुख सचिव, सहकारिता/
राज्य नोडल अधिकारी (ए0आई0एफ0)
सहकारिता, उ0प्र0।

कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रशस्ति पत्र

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW

प्रमाणित किया जाता है कि फर्म/कम्पनी/एफ0पी0ओ0 AARAMBH SHEEL F.P.C. HAPUR द्वारा जनपद - गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो-मार्ट में दिनांक 21 से 25 सितम्बर 2023 तक आयोजित उत्तर प्रदेश के प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रतिभाग किया गया। कृषि विभाग द्वारा आपके सराहनीय कार्य हेतु प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाता है, साथ ही भविष्य में भी आप इसी तरह उत्साह के साथ अपना योगदान करते रहेंगे।

हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

(विनोद कुमार)
उप कृषि निदेशक
गौतमबुद्धनगर

(डा0 ए0ए0 मिश्र)
संयुक्त कृषि निदेशक
मेरठ मंडल मेरठ

(डा0 राज शेखर)
कृषि निदेशक
उत्तर प्रदेश

किसान उत्पादक संगठन **(F.P.O.)**

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि.

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

Aarambhsheel Kisan Utpadak Sangathan Sahkari Samiti Limited
(Promoted By :- N.C.D.C)

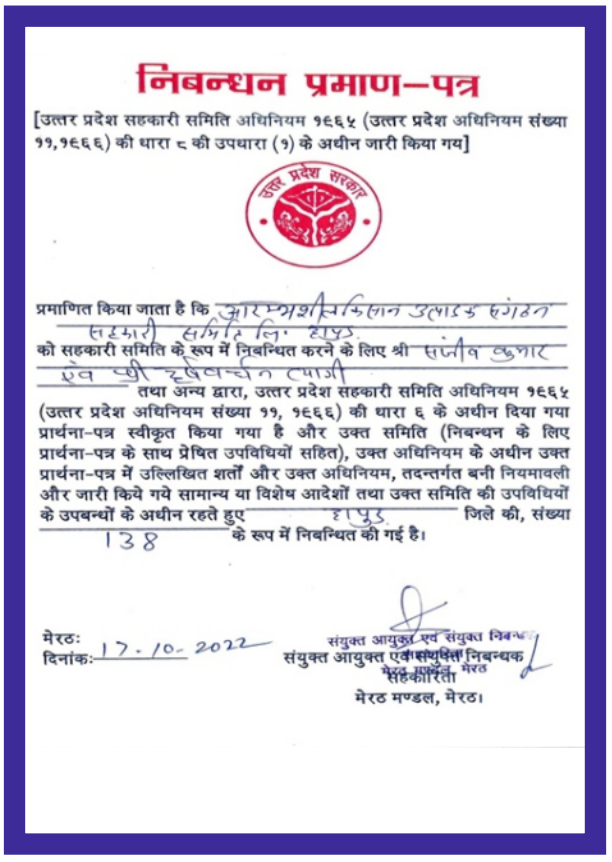

निबन्धन प्रमाण–पत्र

[उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम १९६५ (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या ११,१९६६) की धारा ८ की उपधारा (१) के अधीन जारी किया गय]

उत्तर प्रदेश सरकार

प्रमाणित किया जाता है कि आरम्भशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि॰ हापुड़ को सहकारी समिति के रूप में निबन्धित करने के लिए श्री संजीव कुमार एवं श्री देवेन्द्र त्यागी तथा अन्य द्वारा, उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम १९६५ (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या ११, १९६६) की धारा ६ के अधीन दिया गया प्रार्थना-पत्र स्वीकृत किया गया है और उक्त समिति (निबन्धन के लिए प्रार्थना-पत्र के साथ प्रेषित उपविधियों सहित), उक्त अधिनियम के अधीन उक्त प्रार्थना-पत्र में उल्लिखित शर्तों और उक्त अधिनियम, तदन्तर्गत बनी नियमावली और जारी किये गये सामान्य या विशेष आदेशों तथा उक्त समिति की उपविधियों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए हापुड़ जिले की, संख्या 138 के रूप में निबन्धित की गई है।

मेरठ:
दिनांक: 17-10-2022

संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धक
मेरठ मण्डल, मेरठ।

Name of FPO	Aarambhsheel Kisan Utpadak Sangathan Sahkari Samiti Limited. Hapur
Main Business Activity Carried Out By FPO	Organic and Natural Farming, Dairy, Bee Keeping Processing of Agricultural Products, Horticulture, Farmer Training Program, Value Add. & Marketing of Agriculture Activity
Name of Products	Mustard Oil, Mango Pickle, Pulses, Arhar, Moong, Urad, Turmeric Powder, Basmati Rice, Jaggery, Honey, Desi Cow Ghee, Millets, Millets Cookies, Fresh Fruits, Vegetables Etc.
Number of Villages	18
Total Number of Members	756
Turnover for the financial year 2024-2025	72 Lakhs
Expected Turnover for the Financial Year 2025-2026	Approx 1.50 Crore
Founder & Chairman	Harshvardhan Tyagi Vill. - Bhadsiyana, District - Hapur (U.P.)

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम
NCDC
Assisting Cooperatives. Always!
सहकारिताओं की सहायता में सदैव तत्पर!

नमामि गंगे
जैविक खेती

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन सहकारी समिति लि. हापुड़

उददेश्य संख्याः –07

आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा भविष्य में कृषि क्षेत्र में किए जाने वाले प्रयास

1. **FPO** का प्रयास है की हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर ब्लाक को पूर्ण रूप से रसायन मुक्त करते हुए सभी किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जोड़ना है और क्षेत्र के सभी किसानों को संगठित करते हुए किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना है।

2. गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में बासमती धान की खेती अच्छे स्तर पर की जा रही है, **FPO** द्वारा कषि विभाग हापुड़ के सहयोग से एक बासमती धान का क्लस्टर बनाया जा रहा है, जल्द ही क्लस्टर बनकर तैयार हो जाएगा और सभी धान के किसानों को क्लस्टर के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण धान की खेती कराई जाएगी।

3. **FPO** का भविष्य में प्रयास रहेगा की हापुड़ जिले के किसानों के उत्पादों को विदेश में निर्यात किया जाए। क्लस्टर के माध्यम से धान का निर्यात सुनिश्चित किया जाएगा। हापुड़ में फल जैसे आम और सब्जियों की खेती भी अच्छे पैमाने पर की जा रही है, **FPO** के माध्यम से जल्द ही फल और सब्जियों का भी निर्यात किया जाएगा।

4. **FPO** का प्रयास है की हर फसल के लिए खाद्य प्रसंस्करण की इकाइयां जिले में स्थापित की जाए जिससे अधिक से अधिक किसानों को स्वरोजगार के अवसर मिले और किसानों की आय बढ़े।

5. **FPO** द्वारा जिस प्रकार एक माडल फार्म तैयार किया गया है उसी प्रकार कृषि पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन के लिए **FPO** के किसानों को सहयोग देने का भी **FPO** द्वारा भविष्य में प्रयास किया जाएगा और कृषि पर्यटन को हापुड़ जिले में बढ़ाया जाएगा।

डा0 पी0 के0 सिंह
निदेशक प्रसार
Dr. P. K. Singh
Director Extension

प्रसार निदेशालय
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ–250110 (उ0प्र0)
Directorate of Extension
Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture & Technology, Meerut-250110 (U.P.)

दिनांक: 21 दिसम्बर, 2024

प्रमाण–पत्र

- आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के तकनीकी सहयोग से हापुड़ क्षेत्र में किसानों को जैविक खेती और प्राकृतिक खेती से जोड़ा गया है जिसके कारण FPO के किसानों की खेती की लागत में कमी आई है।
- पिछले 2 वर्षों में आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को जैविक खेती और प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया है।
- कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड़ के द्वारा प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (FLD) के लिए आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ के किसानों को जोड़ा गया है।
- किसानों की आय को बढ़ाने के लिए आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा खाद्य प्रसंस्करण की इकाइयां हापुड़ जिले में स्थापित की गई है, आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ द्वारा बायोमास द्वारा संचालित कोल्ड स्टोरेज और डिहाइड्रेशन यूनिट हापुड़ जिले में स्थापित की गई है जिसका उद्घाटन सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के माननीय कुलपति डॉ0 कृष्ण कुमार सिंह जी द्वारा किया गया है।
- सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा आयोजित किसान मेलों में आरंभशील किसान उत्पादक संगठन द्वारा हापुड़ के किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है जिसमें किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार की पूर्ण जानकारी किसानों को मिलती है।
- आरंभशील किसान उत्पादक संगठन हापुड़ के द्वारा हापुड़ जिले में रसायन मुक्त खेती के क्षेत्र में और किसानों को खाद्य प्रसंस्करण से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ सराहना करता है।

(पी0के0 सिंह)